26/6/20

B.A. Part III (1)
Hindi Hons
Paper - 8
सगुण भक्ति काव्य

डॉ० अरुणा कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
एस० एस० कॉलेज,
इलाहाबाद

प्रश्न — रसखान के काव्य में निहित विशेषताओं का उल्लेख करें।
अथवा
रसखान की भक्ति भावना या प्रेम दर्शन पर प्रकाश डालें।

उत्तर :— माथे पर मोर का पंख, हाथ में लकुटी, कमर में पीताम्बर तथा अधर पर मुरली धारण करने वाले कृष्ण पर अपना सर्वस्व लुटाने वाले रसखान उन भाग्यवान कवियों में हैं जो मात्रा में कम लिखकर भी कृष्ण भक्ति में अपनी विश्वासमयी अनुभूतियों तथा निश्छल भाषा के कारण अमर प्रतिष्ठित कवि हो गये। कृष्ण भक्ति के आलोक में आठों सिद्धियों एवं नवों निधियों को मुरली की तान पर न्योछावर करने वाला दूसरा व्यक्ति आज तक देखा नहीं हुआ।

रसखान कृष्ण भक्त कवि थे। इनके कृष्ण अवतारी व्यक्ति हैं। कृष्ण के उस निर्गुण ब्रह्म रूप को रसखान पूर्णतः परिचित अवश्य हैं जिसे वेदों और पुराणों ने अनादि, अनन्त, अखंड इत्यादि कहा है तथा जिसका पार शेष, महेश, गणेश भी नहीं पा सके हैं। पर कृष्ण के इस रूप पर रसखान नहीं रीझ सके। वे जानते हैं कि अनादि, अनन्त भगवान ही कृष्ण के रूप में अवतार लेकर गोपियों के संग लीला कर रहे हैं। यही लीलामय कृष्ण रसखान के प्यारे हैं। रसखान उस कृष्ण पर मुग्ध हैं जिसके सिर पर मोरपंख है, हाथ में लकुटी और कमर में पीताम्बर है। रसखान उस कृष्ण पर न्यौछावर हैं जिसकी मुरली की तान गोपियों पर जादू कर गयी तथा रसखान उस कृष्ण पर अर्पित हैं जिसकी मुख-काया सम्मोहिनी आसक्तमय है —

माइनी या मुरली की मुसुकानि सँभारि न जै है न जै है
क्रमशः :—